पश्चिम रेलवे
Western Railway

राजभाषा प्रदर्शनी

14 सितम्बर, 2015 से 30 सितम्बर, 2015 तक
राजभाषा पखवाड़े के अवसर पर
राजभाषा प्रदर्शनी

"राजभाषा की डगर पर पश्चिम रेलवे का सफ़र"

राजभाषा हिंदी हमारे देश में सम्प्रेषण का सबसे सशक्त माध्यम है। सरलता इस भाषा का विशेष गुण है, जिसके कारण यह जन-जन की भाषा होकर लोगों को एक-दूसरे से जोड़ती है। इसी प्रकार भारतीय रेलवे भी लोगों को जोड़ने तथा राष्ट्रीय एकता को बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाती है।

भारतीय रेलवे की सबसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रीय रेलों में से एक पश्चिम रेलवे है, जहाँ हिंदी के समुचित प्रयोग तथा इसके व्यापक प्रचार-प्रसार को यथोचित महत्त्व दिया जाता है।

इस प्रदर्शनी में पश्चिम रेलवे द्वारा राजभाषा के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यकलापों और उपलब्धियों की एक संक्षिप्त झलक प्रस्तुत की गयी है। पश्चिम रेलवे तथा हिंदी के बीच अटूट बंधन को दर्शाती यह प्रदर्शनी जनसम्पर्क विभाग और राजभाषा विभाग का संयुक्त प्रयास है।

हमारी राजभाषा, हमारा गौरव!

पश्चिम रेलवे
Western Railway

राजभाषा प्रदर्शनी

पश्चिम रेलवे के कुशल नेतृत्व में

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन

दैनंदिन के शासकीय कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित करने के लिए गठित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति में मुंबई के केन्द्र सरकार के 90 से अधिक सदस्य कार्यालय शामिल हैं। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक इस समिति के अध्यक्ष हैं। पश्चिम रेलवे के चर्चगेट, मुंबई स्थित प्रधान कार्यालय में सम्पन्न समिति की बैठक के चित्र यहाँ प्रस्तुत हैं।

हमारी राजभाषा, हमारा गौरव!

पश्चिम रेलवे
Western Railway

राजभाषा प्रदर्शनी

हिंदी के प्रयोग पर पैनी नज़र।
पश्चिम रेलवे की

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के साथ ही पश्चिम रेलवे में इसके प्रयोग की निरंतर समीक्षा के लिए महाप्रबंधक जी की अध्यक्षता में तिमाही बैठकें आयोजित करती है। समिति के सदस्यों में सभी विभागाध्यक्ष, सभी छह मंडलों के अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी तथा मुख्य कारखाना प्रबंधक शामिल हैं। समिति की बैठक पश्चिम रेलवे के चर्चगेट, मुंबई स्थित कार्यालय में आयोजित की जाती है।

राजभाषा पोस्टर का अनावरण

हमारी राजभाषा, हमारा गौरव!

पश्चिम रेलवे
Western Railway

राजभाषा प्रदर्शनी

सरल एवं सुगम

विशेष अवसरों पर हिंदी में संदेश एवं उद्बोधन

पश्चिम रेलवे में विशेष अवसरों पर दिये जाने वाले संदेश तथा उद्बोधन राजभाषा हिंदी में ही प्रदान किये जाते हैं। माननीय रेल मंत्री तथा माननीय रेल राज्य मंत्री के उद्बोधनों तथा संदेशों के मसौदे भी हिंदी में ही तैयार कर भेजे जाते हैं। यहाँ प्रस्तुत है, महाप्रबंधक जी के गणतंत्र दिवस तथा स्वतंत्रता दिवस संदेशों की एक झलक।

हमारी राजभाषा, हमारा गौरव!

पश्चिम रेलवे
Western Railway

राजभाषा प्रदर्शनी

कार्य कलापों की जानकारी, गतिविधियों की झलक,
साथ ही है संस्कारों और संस्कृति की वाहक।

राजभाषा पत्रिकाओं का प्रकाशन

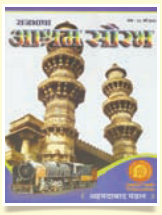

पश्चिम रेलवे में मुख्यालय, मंडलों तथा कारखानों में हिंदी के प्रयोग तथा प्रसार को प्रोत्साहित करने के लिए राजभाषा पत्रिकाओं के नियमित प्रकाशन की गौरवशाली परम्परा रही है। ये पत्रिकाएँ विभिन्न गतिविधियों/उपलब्धियों को रेलकर्मियों तक तो पहुँचाती ही हैं, साथ ही उनकी रचनाधर्मिता को भी एक प्रभावी मंच उपलब्ध कराती हैं।

हमारी राजभाषा, हमारा गौरव!

पश्चिम रेलवे
Western Railway

राजभाषा प्रदर्शनी

रचनात्मक उत्कृष्टता को सलाम !

पश्चिम रेलवे की प्रतिष्ठित गृह पत्रिका 'रेल दर्पण' के कीर्तिमान

पश्चिम रेलवे के जनसम्पर्क विभाग द्वारा विगत 14 वर्षों से भी अधिक समय से प्रकाशित की जाने वाली अर्द्ध वार्षिक गृह पत्रिका 'रेल दर्पण' ने साहित्य जगत में एक विशेष पहचान अर्जित की है। पश्चिम रेलवे की सम-सामयिक गतिविधियों का यह दस्तावेज रचनात्मक आलेखों और साहित्यिक रचनाओं के रोचक खज़ाने से भरपूर होता है। इस लोकप्रिय गृह पत्रिका को भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा प्रथम पुरस्कार के अलावा एसोसिएशन ऑफ बिजनेस कम्युनिकेटर्स (ABCI) तथा इन-हाउस क्रियेटिव एक्सिलेंस (ICE) आदि के लगभग 34 पुरस्कार पाने का गौरव प्राप्त है।

हमारी राजभाषा, हमारा गौरव!

पश्चिम रेलवे
Western Railway

राजभाषा प्रदर्शनी

सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से राजभाषा की प्रभावी प्रस्तुति।

पश्चिम रेलवे की वेब पत्रिका 'ई-राजहंस'

वर्तमान में हिंदी का दायरा बढ़कर देश की सीमाओं से बाहर जा पहुँचा है। हिंदी समाचार पत्रों के वेब संस्करणों ने इंटरनेट और इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यमों में हिंदी के बढ़ते वर्चस्व को सिद्ध किया है। ऐसे परिदृश्य में, पश्चिम रेलवे ने भी समय के साथ कदम मिलाते हुए राजभाषा की लोकप्रिय वेब पत्रिका 'ई-राजहंस' को लॉन्च किया। इसे रेलनेट पर अपलोड किया जाता है, जिससे मंडलों/कारखानों/ यूनिटों के रेलकर्मी लाभान्वित होते हैं ।

हमारी राजभाषा, हमारा गौरव!

पश्चिम रेलवे
Western Railway

राजभाषा प्रदर्शनी

सूचना, शिक्षा और प्रचार का सशक्त माध्यम ।

हिंदी में विवरणिकाओं, पोस्टरों एवं पर्चों का प्रकाशन

माननीय रेल मंत्री/माननीय रेल राज्य मंत्री के समारोहों के अतिरिक्त विभिन्न विभागों द्वारा जनसम्पर्क विभाग के माध्यम से रेल उपभोक्ताओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर विवरणिकाएँ, पर्चे तथा पोस्टर छपवाये जाते हैं। जन-जन तक पहुँचने के लिए इन्हें हिंदी में आवश्यक रूप से छपवाया जाता है।

हमारी राजभाषा, हमारा गौरव!

पश्चिम रेलवे
Western Railway

राजभाषा प्रदर्शनी

पश्चिम रेलवे के जनोपयोगी अभियान

पहुँचते हैं आम जनता के बीच, उन्हीं की भाषा में

हमारी राजभाषा, हमारा गौरव!

पश्चिम रेलवे
Western Railway

राजभाषा प्रदर्शनी

राजभाषा पुस्तकालय

अपनी भाषा में ज्ञान का भंडार, जानकारियों का खज़ाना

रेल कर्मियों और उनके परिवार जनों में हिंदी के प्रति रुचि उत्पन्न करने के साथ ही उन्हें ख्यात लेखकों और कवियों की स्तरीय रचनाओं से परिचित कराने के उद्देश्य से पश्चिम रेलवे में विभिन्न स्टेशनों/कार्यालयों में 85 हिंदी पुस्तकालय उपलब्ध हैं, जहाँ पाठक अपनी साहित्यिक क्षुधा को शांत कर सकते हैं।

हमारी राजभाषा, हमारा गौरव!

पश्चिम रेलवे
Western Railway

राजभाषा प्रदर्शनी

पश्चिम रेलवे को है अपने यात्रियों का ध्यान।

हिंदी में सामाजिक संदेशों के माध्यम से जागरूकता लाने का प्रयास

यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है। पश्चिम रेलवे द्वारा पटरी पार करने, छत पर यात्रा करने, आग्नेय वस्तुओं के साथ यात्रा करने, समपार फाटकों को लापरवाहीपूर्वक पार करने, रेल तथा स्टेशनों में गंदगी फैलाने आदि के विरुद्ध लोगों को सावधान करने तथा इनके प्रति जागरूकता लाने के लिए समय-समय पर आकर्षक एवं शिक्षाप्रद विज्ञापनों के माध्यम से अभियान चलाये जाते हैं। इन विज्ञापनों में हिंदी को प्रमुखता दी जाती है, ताकि उसके द्वारा समाज के बड़े तबके तक प्रभावशाली ढंग से पहुँचा जा सके।

हमारी राजभाषा, हमारा गौरव!

पश्चिम रेलवे
Western Railway

राजभाषा प्रदर्शनी

पश्चिम रेलवे को है अपने यात्रियों का ध्यान।

हिंदी में सामाजिक संदेशों के माध्यम से जागरूकता लाने का प्रयास

यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है। पश्चिम रेलवे द्वारा पटरी पार करने, छत पर यात्रा करने, आग्नेय वस्तुओं के साथ यात्रा करने, समपार फाटकों को लापरवाहीपूर्वक पार करने, रेल तथा स्टेशनों में गंदगी फैलाने आदि के विरुद्ध लोगों को सावधान करने तथा इनके प्रति जागरूकता लाने के लिए समय-समय पर आकर्षक एवं शिक्षाप्रद विज्ञापनों के माध्यम से अभियान चलाये जाते हैं। इन विज्ञापनों में हिंदी को प्रमुखता दी जाती है, ताकि उसके द्वारा समाज के बड़े तबके तक प्रभावशाली ढंग से पहुँचा जा सके।

हमारी राजभाषा, हमारा गौरव!